चरणों में शरण देदो | by Ritika Chawla

ऐ श्याम धणी बिगड़ी बनाने दर पे आई हूँ
नहीं तुझसा कोई दूजा मनाने तुझको आई हूँ
मनाऊंगी रिझाऊंगी तुझे ओ श्याम प्यारे मैं
सहारे हारे के हो तुम अब तेरे सहारे मैं .....

मेरे श्याम मुझे अपने चरणों में शरण देदो
रहें ध्यान सदा तेरो मुझे ऐसी लगन देदो
मेरे श्याम मुझे अपने.....

अनजान सी बालक हूँ कोई राह नहीं जानू
अपनी मंज़िल बाबा तेरे दर तक ही मानु
बस जाओ मेरे मन में यही दान मुझे देदो
रहें ध्यान सदा तेरो मुझे ऐसी लगन देदो
मेरे श्याम मुझे अपने.....

तेरी सेवा ही मेरे जीने का सहारा हो
मेरी नैया का बाबा तेरा दर ही किनारा हो
बन जाए दवा मेरी जो आप दुआ देदो
रहें ध्यान सदा तेरो मुझे ऐसी लगन देदो
मेरे श्याम मुझे अपने.....

जपो श्याम नाम राही इस नाम में शक्ति है
सिमरण जो करे दिल से मिलती उसे मुक्ति है
रितिका पे करुणा की दातार नज़र कर दो
रहें ध्यान सदा तेरो मुझे ऐसी लगन देदो
मेरे श्याम मुझे अपने.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%9a%e0%a4%b0%e0%a4%a3%e0%a5%8b%e0%a4%82-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82-%e0%a4%b6%e0%a4%b0%e0%a4%a3-%e0%a4%a6%e0%a5%87%e0%a4%a6%e0%a5%8b-by-ritika-chawla/